

# छोटी नदियाँ, छोटे पत्थर



## अदिति/Introduction

जीवन में हर छोटी से छोटी चीज़ का भी बहुत महत्त्व होता है। कविता में कवि ने यही बताया है कि जब हम किसी चीज़ को उसके विस्तार में देखते हैं तो उसका वह स्वरूप कई छोटी-छोटी चीज़ों से मिलकर बनता है। जैसे ढेर सारे पेड़-पौधों और फूलों से मिलकर एक उपवन बनता है, नदियों से सागर और कई शब्दों से मिलकर एक वाक्य का निर्माण होता है। इसलिए किसी को छोटा मानना उचित नहीं है।

छोटी नदियाँ मिल जाती जब  
बन जाता है सागर।

फूलों के नन्हें पौधों से  
बनता सुंदर **उपवन**।  
बूंद-बूंद **शोणित** जब मिलता  
बचता है यह जीवन।

शब्द वाक्य बनते जाते हैं  
जब जुड़ जाते अक्षर।



## शब्दार्थ

**उपवन** - बाग, बगीचा  
**शोणित** - रक्त, खून



## बोध/Conceptual Understanding

- सागर किनके मिलने से बनता है ?
- उपवन में क्या होता है ?



## शिक्षण संकेत

छात्रों को छोटी-छोटी चीज़ों के महत्त्व के बारे में बताएँ और इस पर उनके विचारों को भी जानें।

नन्हें पत्ते साथी बनते  
छा जाती हरियाली,  
तरुवर घने-घने से दिखते  
छोटी इक-इक डाली।

महल किले बन जाते ऊँचे  
जुड़तीं ईटें-पत्थर।

-अनुज पाण्डेय



### शब्दार्थ

हरियाली - हरा-भरा

तरुवर - पेड़



### बोध/Conceptual Understanding

- किनके साथी बनने पर हरियाली छा जाती है ?
- महल और किले बनाने में क्या प्रयोग होता है ?



### जीवन मूल्य

प्रत्येक छोटी-बड़ी वस्तु का अपना विशेष महत्त्व होता है।



### विधा परिचय

प्रस्तुत पाठ काव्य अर्थात् कविता की विधा में लिखा गया है। कविता को पद्य भी कहते हैं। इसमें कवि द्वारा मन के भावों को सरल-सहज शैली में प्रस्तुत किया जाता है। कविता का आंतरिक पक्ष काव्य की आत्मा होती है। भारत में कविता का इतिहास बहुत पुराना है।



### रचनाकार परिचय

अनुज पाण्डेय का जन्म गोरखपुर (उ.प्र.) के ग्राम पड़ौली में हुआ। निकट, गीत गागर, राष्ट्रधर्म, वीणा, देवपुत्र, आदि प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं में रचनाएँ प्रकाशित। दोहों, नवगीतों, बालगीतों आदि के साझा संकलनों में रचनाएँ प्रकाशित। सरयू साहित्य साधक सम्मान (गोरखपुर), तुलसी काव्य कला सम्मान (मथुरा) आदि सम्मान प्राप्त।



## अभ्यास (Practice)

( श्रवण, वाचन, पठन, लेखन पर आधारित )

(Based on Listening, Speaking, Reading, Writing Skills)



### मेरे मुख से

(Listening and Speaking skill/श्रवण एवं वाचन कौशल)

#### श्रुतलेख/उच्चारण अभ्यास

(Oral Expressions/मौखिक अभिव्यक्ति)

निम्नलिखित शब्दों का सही उच्चारण कीजिए और उन्हें ध्यान से सुनकर सही-सही लिखिए—

नदियाँ, सुंदर, तरुवर, वाक्य, अक्षर, शोणित, साथी, पत्थर

निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए—

1. नदियाँ कहाँ जाकर मिल जाती हैं ?
2. किनके मिलने से वाक्य बनते हैं ?
3. क्या मिलने से जीवन बचता है ?
4. ईंट-पत्थरों से क्या ऊँचा बनता है ?



### मेरी कलम से

(Writing and Reading skill/लेखन एवं पठन कौशल)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम दो वाक्यों में लिखिए। (Written Expressions/लेखन अभिव्यक्ति)

1. कविता में छोटी नदियाँ मिलकर किसका निर्माण करती हैं ?
2. फूलों के नन्हें पौधों से किस प्रकार का सुंदर स्थान बनता है ?
3. अक्षर जुड़कर क्या बनते हैं और वे क्या अर्थ प्रकट करते हैं ?
4. नन्हें पत्तों के साथी बनने पर पेड़ों की हरियाली कैसी दिखती है ?
5. महल और किले ऊँचे कैसे बनते हैं और इसके लिए किन चीजों का इस्तेमाल होता है ?

#### दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(VBQ/मूल्यपरक प्रश्न)

6. “बूँद-बूँद शोणित जब मिलता, बचता है यह जीवन” इस पंक्ति का मतलब अपने शब्दों में समझाइए।

दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनिए—

(MCQs/बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. कविता के अनुसार, छोटी नदियाँ मिलकर क्या बनाती हैं ?

(क) तालाब

☐

(ख) झरना

☐

(ग) सागर

☐

(घ) नदी

☐



2. फूलों के नन्हें पौधों से क्या बनता है ?

(क) जंगल

☐

(ख) उपवन

☐

(ग) वन

☐

(घ) खेत

☐


## भाषा के रंग

(Language skill/भाषायी कौशल)

1. दिए गए शब्दों को जोड़कर तीन-तीन शब्द और बनाइए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

आहट	-	घबराहट	.....	.....	.....
शक्ति	-	शक्तिशाली	.....	.....	.....
आती	-	मुस्कुराती	.....	.....	.....

**संयुक्त व्यंजन**— जो व्यंजन दो या दो से अधिक व्यंजनों के मिलने से बनते हैं, उन्हें संयुक्त व्यंजन कहा जाता है।

2. संयुक्त व्यंजनों ( क्ष - त्र - ज्ञ - श्र ) से बने तीन-तीन शब्द लिखिए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

क्ष	-	क्षमा	.....	.....	.....
त्र	-	पात्र	.....	.....	.....
ज्ञ	-	जिज्ञासा	.....	.....	.....
श्र	-	परिश्रम	.....	.....	.....

3. दो और तीन अक्षरों के समान तुक वाले शब्द लिखिए, एक उदाहरण आपके लिए किया गया है—

जल	.....	थल	.....	अगर	.....	मगर	.....
आग	.....		.....	लगन	.....		.....
कवि	.....		.....	जागना	.....		.....
रोना	.....		.....	गागर	.....		.....
नैना	.....		.....	हिसाब	.....		.....



## प्रयोग/Application



## कुछ करके सीखें

(Let us do and learn)

1. आप पढ़ते समय अपनी पेंसिल छीलते होंगे, अक्सर इधर-उधर कागज की कतरनें भी मिलती होंगी। धागा और बटन जैसी चीजें तो सबके घर में होती ही हैं। अब ऐसी ही छोटी-छोटी वस्तुएँ चुनकर इकट्ठा करो और एक आर्ट शीट पर उनको चिपकाते हुए कोई चित्र बनाओ।

2. फूलों के नन्हें पौधों से  
बनता सुंदर उपवन,  
बूँद-बूँद शोणित जब मिलता  
बचता है यह जीवन।

- नन्हें पौधों से किस प्रकार का स्थान बनता है?
- “बूँद-बूँद शोणित” मिलने पर क्या बचता है?



### खोजबीन/खोज कर जानें

भगवद गीता ज्ञान का सागर है, ऐसा क्यों कहा जाता है? इस विषय में अपने माता-पिता या दादा-दादी से जानकारी प्राप्त करो और अपने अनुभवों को सहपाठियों के साथ बाँटो।



### दिमाग के घोड़े दौड़ाओ

बच्चों आपको एक कहानी का आरंभ दिया जा रहा, अब अपनी कल्पना से उसका अंत लिखकर दिखाइए।

“एक दिन राजा के बगीचे में एक नन्हा पौधा उग आया।  
वह पौधा दिन-ब-दिन बड़ा होता गया और फिर...”



### खुद की परख

Self assessment (Emotional Development)

इस कविता में छोटी-छोटी चीजों से मिलकर किसी बड़ी चीज के बनने की बात कही गई है।  
अब आप भी कुछ ऐसी ही चीजों के उदाहरण दो जो छोटी चीजों से मिलकर बनी है।



### भारत के रोचक तथ्य

(Knowledge of India)

श्रीकृष्ण की आराधना करने वाला हर व्यक्ति उनकी महान भक्त मीराबाई से तो अवश्य परिचित होगा। सदियाँ बीत जाने पर भी मीराबाई के लिखे कृष्ण भजन आज भी जन-जन में गाए जाते हैं। मीराबाई राजस्थान के एक राजसी परिवार में जन्मी थीं और मेड़ता में बीते अपने बचपन से ही कृष्ण-प्रेम में डूबी थी। बड़े होने पर उनका विवाह मेवाड़ के राजकुंवर से हुआ, परंतु उनकी कृष्ण-भक्ति में कोई कमी नहीं आई। वे भक्तिकाल की एक महान कवयित्री थीं। कृष्ण-भक्ति के लिए उन्होंने अपने सारे राजसी सुख त्याग दिए और तीर्थयात्रा में अपना शेष जीवन बिताया।

